
Shri Nimbarka Chatushshloki

—
श्रीनिम्बार्कचतुश्श्लोकी
—

Document Information



Text title : Shri Nimbarka Chatushshloki

File name : nimbArkachatushshlokI.itx

Category : deities_misc, gurudev, nimbArkAchArya, chatuHshlokI

Location : doc_deities_misc

Author : shrIjI

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : January 28, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 28, 2023

sanskritdocuments.org



श्रीनिम्बार्कचतुश्श्लोकी



हरेरायुधाचार्यनिम्बार्कदेवं
ब्रजे धाम्नि सर्वेश्वरार्चानिमग्नम् ।
सदा भक्तवृन्दैः समाराध्यमानं
भजे भानुकोटिम्प्रकाशं मुनीन्द्रम् ॥ १ ॥


असीमप्रभं नौमि निम्बार्कदेवं
मुहू राधिकाकृष्णयुग्माङ्घ्रिकञ्जे ।
अशेषाऽनुरक्तं पराभक्तिशीलं
महाभावसिन्धौ मुदा गाहमानम् ॥ २ ॥


स्ववेदान्तसिद्धान्त-संस्थापकं श्री-
परब्रह्मरूपाभिव्यक्ति-प्रदाने ।
श्रुतिब्रह्मसूत्रादिसद्भाष्यकारं
भजेऽहं कृपाधाम निम्बार्कदेवम् ॥ ३ ॥

मुकुन्दाङ्घ्रिभक्तिप्रचारप्रसिद्धं
श्रुतिव्याहृताऽऽचारमाख्यापयन्तम् ।
असत्प्रोक्तकर्ताऽपहारप्रवीणं
समाराधयामीह निम्बार्कदेवम् ॥ ४ ॥

श्रीनिम्बार्कचतुश्श्लोकी भक्ताभीष्टप्रदायिनी ।
राधासर्वेश्वराद्येन शरणान्तेन निर्मिता ॥

इति अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर
श्री श्रीजी श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी महाराज प्रणीत
श्रीनिम्बार्कचतुश्श्लोकी समाप्ता ।

——
Shri Nimbarka Chatushshloki
pdf was typeset on January 28, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

